अध्याय 3

मुद्रा और साख

विद्या दृष्टि
The Vision Of Education

वस्तु विनिमय प्रणाली

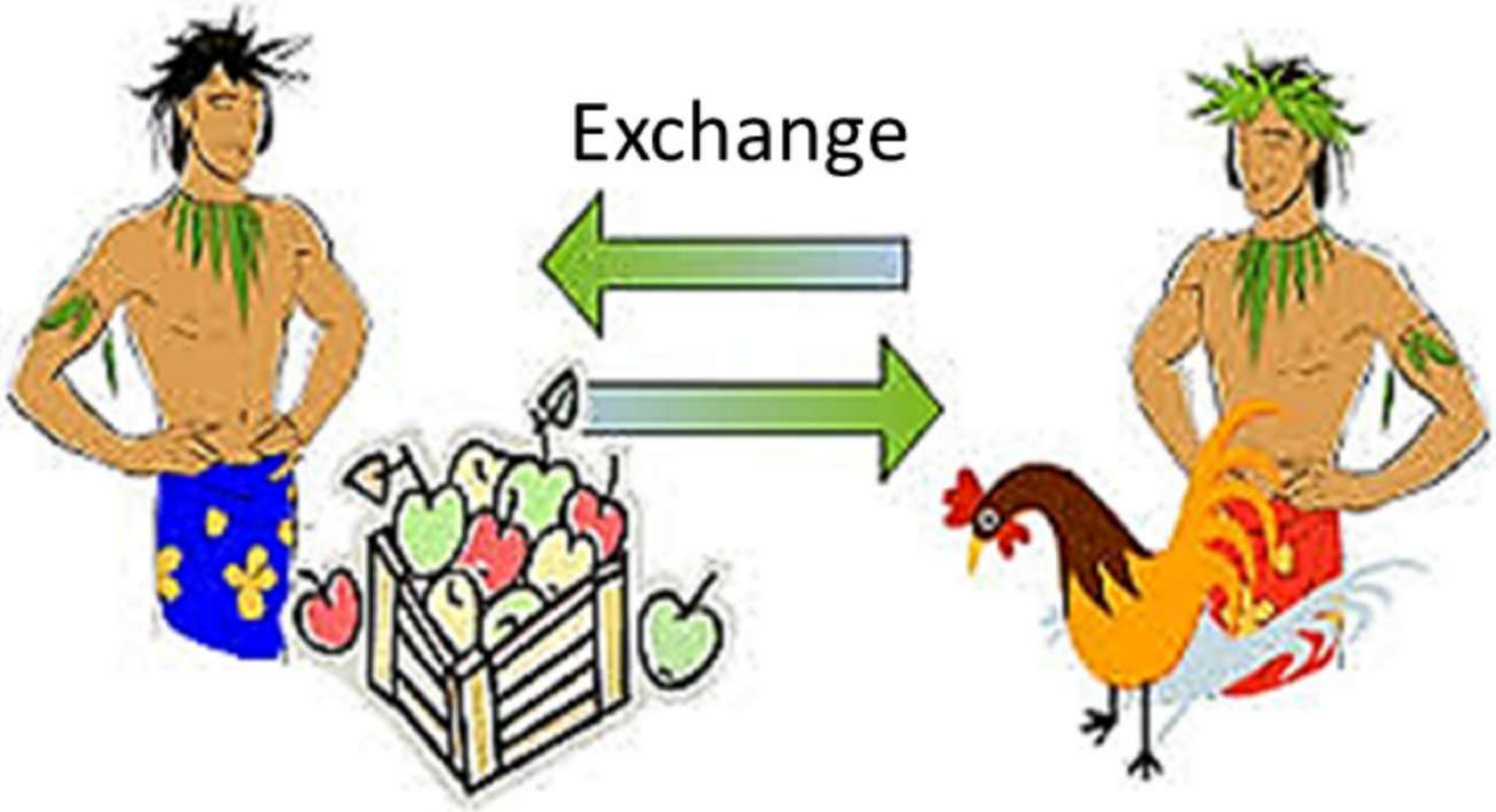

वस्तु विनिमय प्रणाली

- प्राचीन विश्व में वस्तु विनिमय प्रणाली (Barter System) का प्रचलन था l

- इस प्रणाली के तहत वस्तु एवं सेवाओं के बदले वस्तु एवं सेवा का आदान प्रदान (exchange) किया जाता था

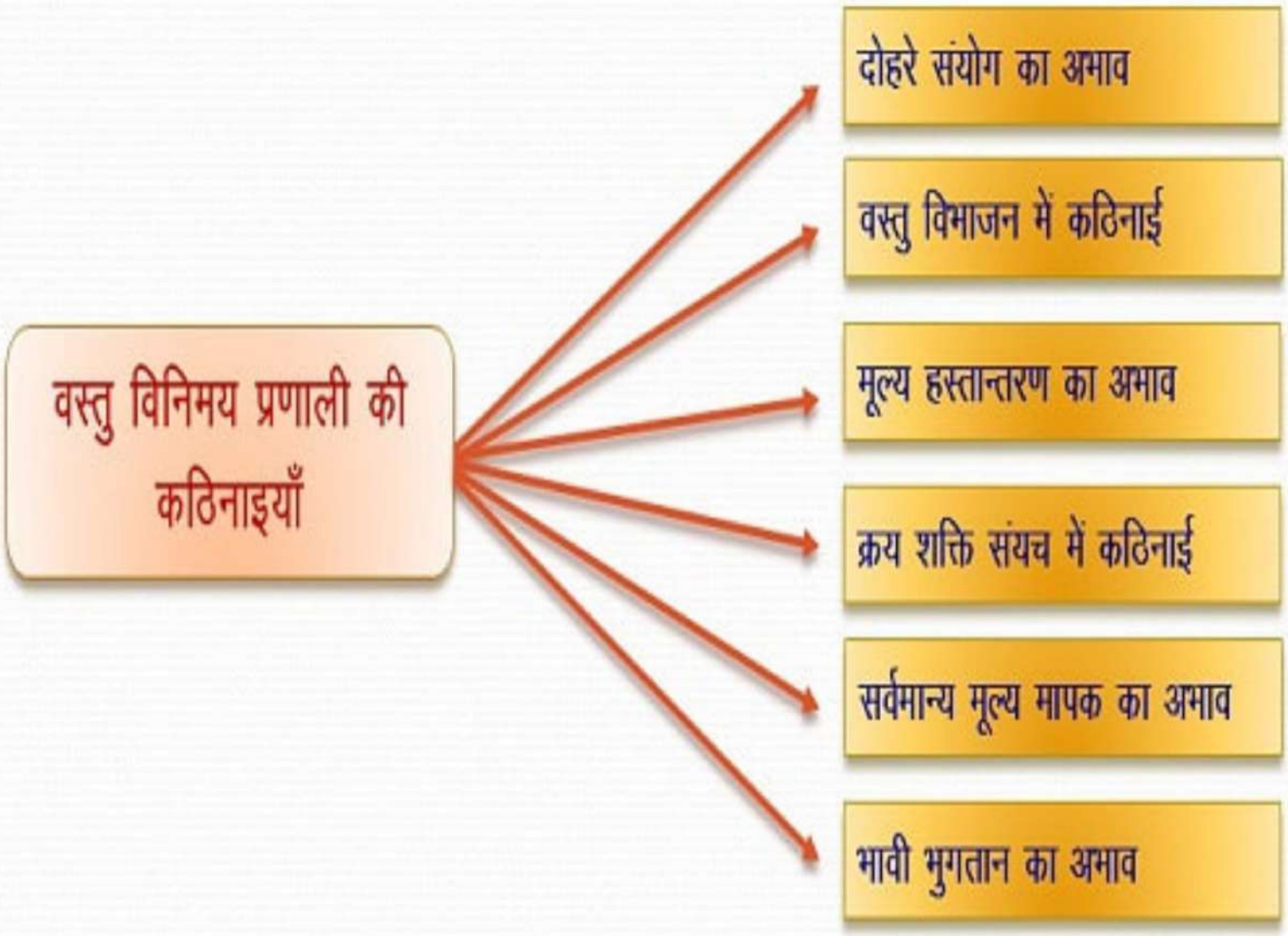

दोनों पक्ष एक दूसरे से चीजें खरीदने और बेचने पर सहमति रखते हों

आवश्यकताओं का दोहरा संयोग

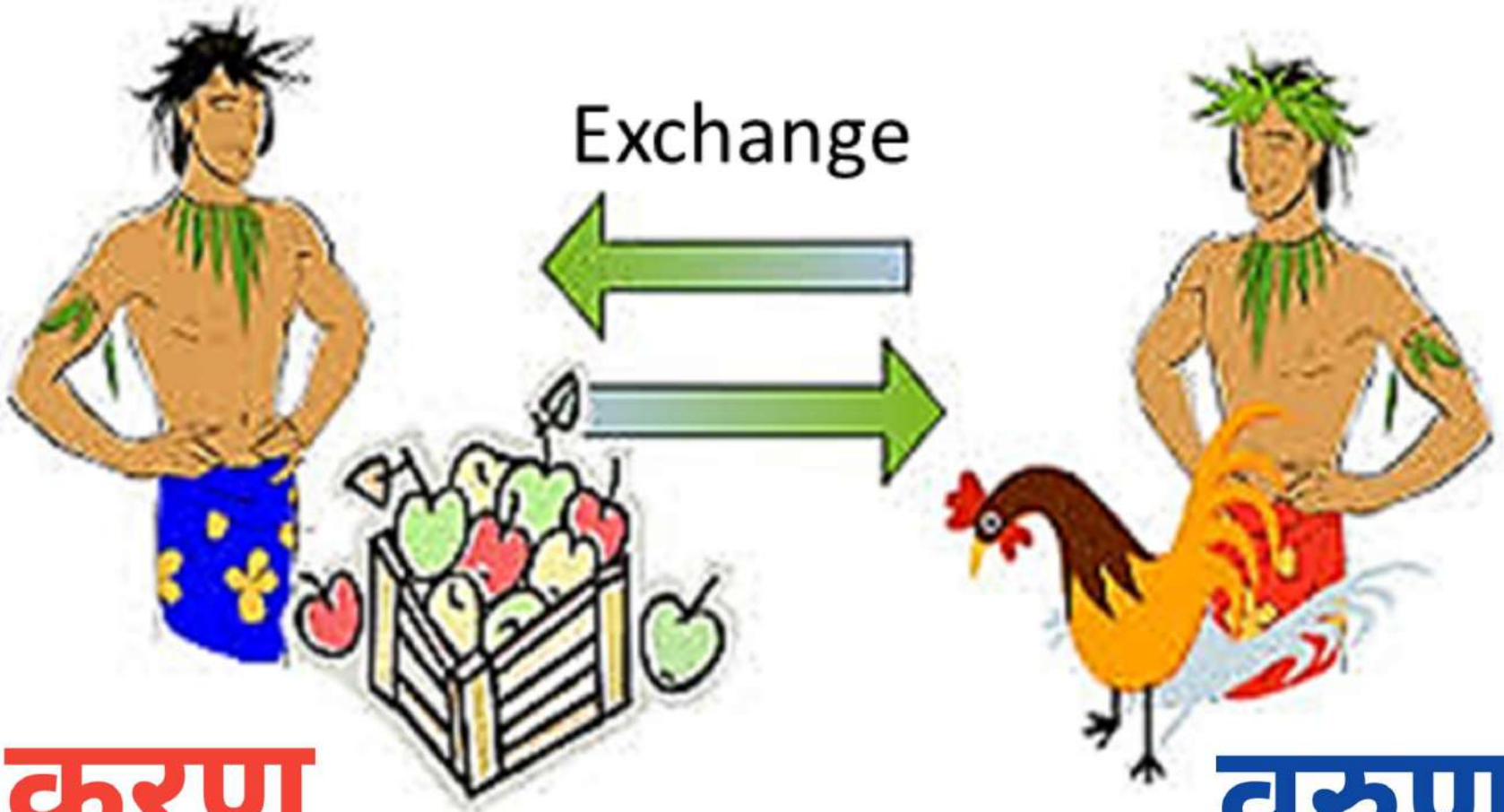

वस्तु विनिमय प्रणाली

- वस्तु विनिमय अथार्थ क्रय विक्रय के लिये माध्यम के रूप में मुद्रा के प्रयोग से वस्तु विनिमय प्रणाली की समस्याएं दूर हो गई है ।

मुद्रा - विनिमय के माध्यम के रूप

- किसी वस्तु के क्रय-विक्रम (विनिमय) के लिए मुद्रा का प्रयोग मध्यस्थ के रूप में किया जाता है इसलिए इसे **विनिमय का माध्यम** कहते हैं।

- विनिमय के लिए माध्यम के तौर पर मुद्रा के प्रयोग ने आवश्यकताओं के दोहरे संयोग की समस्याओं को दुर कर दिया।

- विनमय, अब, असान और सुविधाजनक हो गया है।

- मुद्रा के प्रयोग से अब वस्तुओं एवं सेवाओं की मौद्रिक इकाई (monetary unit) के रूप में मूल्य (value) निश्चित हो गया है।

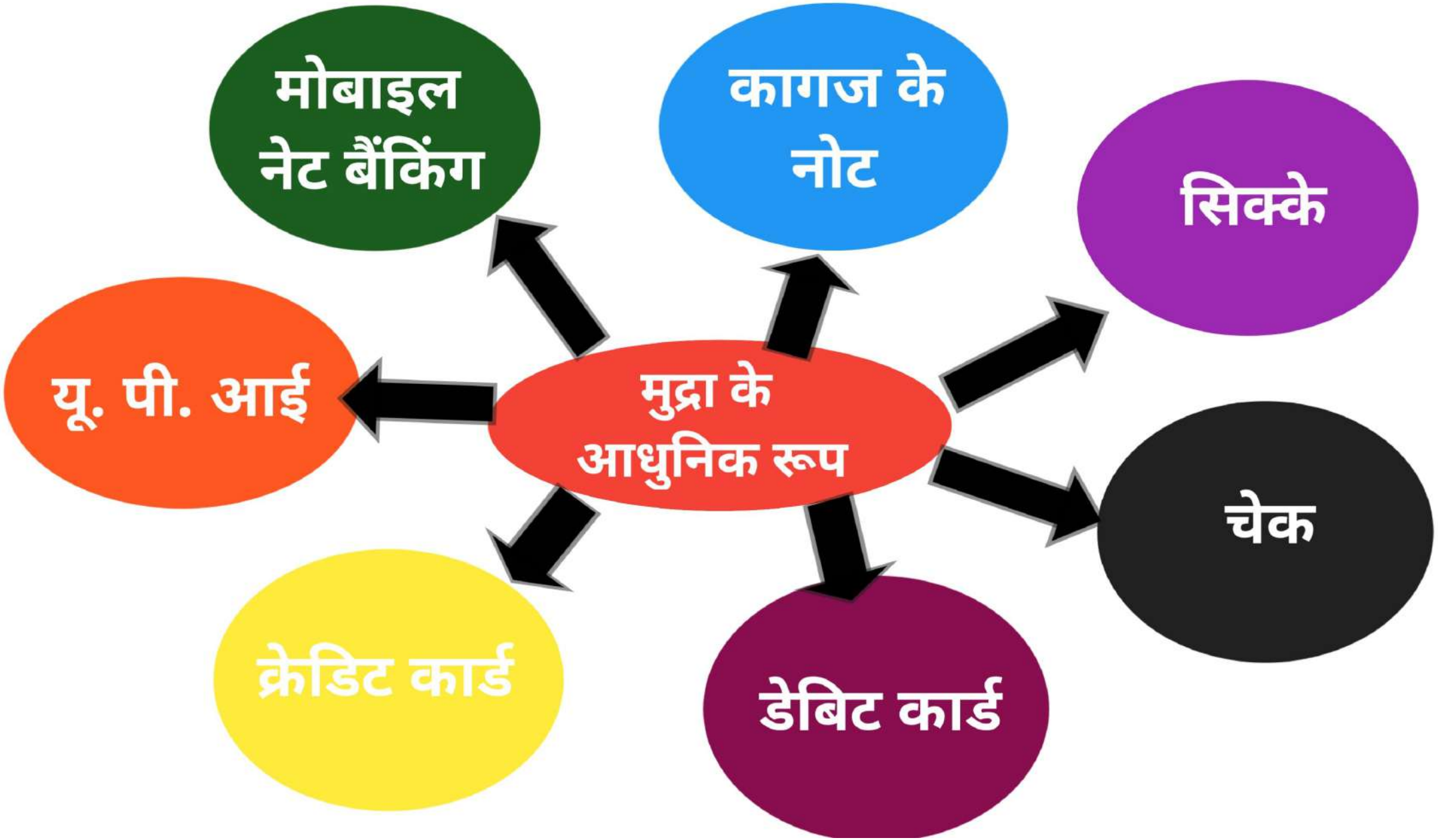
मोबाइल नेट बैंकिंग
कागज के नोट
सिक्के
यू. पी. आई
मुद्रा के आधुनिक रूप
चेक
क्रेडिट कार्ड
डेबिट कार्ड

मुद्रा के आधुनिक रूप

■ **वर्तमान** में कागज के नोट,सिक्के, बैंक में पड़े निक्षेप (saving) तथा चेक इत्यादि का प्रयोग मुद्रा के रूप में किया जाता है।

■ **प्राचिन काल** में वस्तु विनिमय प्रणाली के बाद के समय में धातु जैसे सोना चाँदी तांबा इत्यादि का प्रयोग बहुमूल्य धार मका के रूप में किया से किया था।

■ वर्तमान मे प्रयोग किये जाने वाले मुद्रा का स्वयं में कोई प्रयोग नहीं होता है जैसे कि पहले के मुद्रा - सोना, चांदी,तांबा के होता था।

मुद्रा - विनिमय का माध्यम

मुद्रा का प्रयोग विनिमय के माध्यम के रूप में किया जाता है क्योंकि :-

- यह भारत सरकार (G01) द्वारा मान्यता प्राप्त (Authorised) होती है।
- इसके माँग एवं आपूर्ति को भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा नियंत्रित किया जाता है।
- इसकी संपूर्ण देश में स्वीकार्यता होती है, अर्थात इसे स्वीकार करने से कोई इंकार नहीं कर सकता
- इसके प्रयोग से किसी भी वस्तु का वास्तविक मूल्य (Value) सुनिश्चित ।

बैंक निक्षेप (Bank Deposit) या मांग जमा (Demand deposit)

- किसी भी व्यक्ति के बचत (saviy) का वह हिस्सा (अंश) जो वह बैंक में जमा करता है, **बैंक निक्षेप** कहलाता है।
- चूंकि बैंक, निक्षेप अर्थात बैंक खातों में जमा धन को जरूरत पड़ने पर माँग पर्ची (Demand slip) के माध्यम से निकाला जा सकता है, इसलिए इस जमा को **माँग जमा** कहते है।
- बैंक निक्षेप अर्थात मांग जमा का प्रयोग भी विनिमय के माध्यम के रूप में किया जा सकता है। Ex- चेक के माध्यम से पेमेंट करना ।

cheque चेक

- चेक एक ऐसा कागज (आदेश पत्र), है, जो बैंक को किसी व्यक्ति के खाते से चेक पर लिखे नाम के किसी दूसरे व्यक्ति को एक निश्चित रकम (Amount) का भुगतान करने का आदेश देता है।

- cheque के माध्यम से किसी वस्तु के विनिमय को cashless विनिमय कहा जाता है।

- अर्थात चेक भी एक आधुनिक मुद्रा का रूप है।

cheque चेक

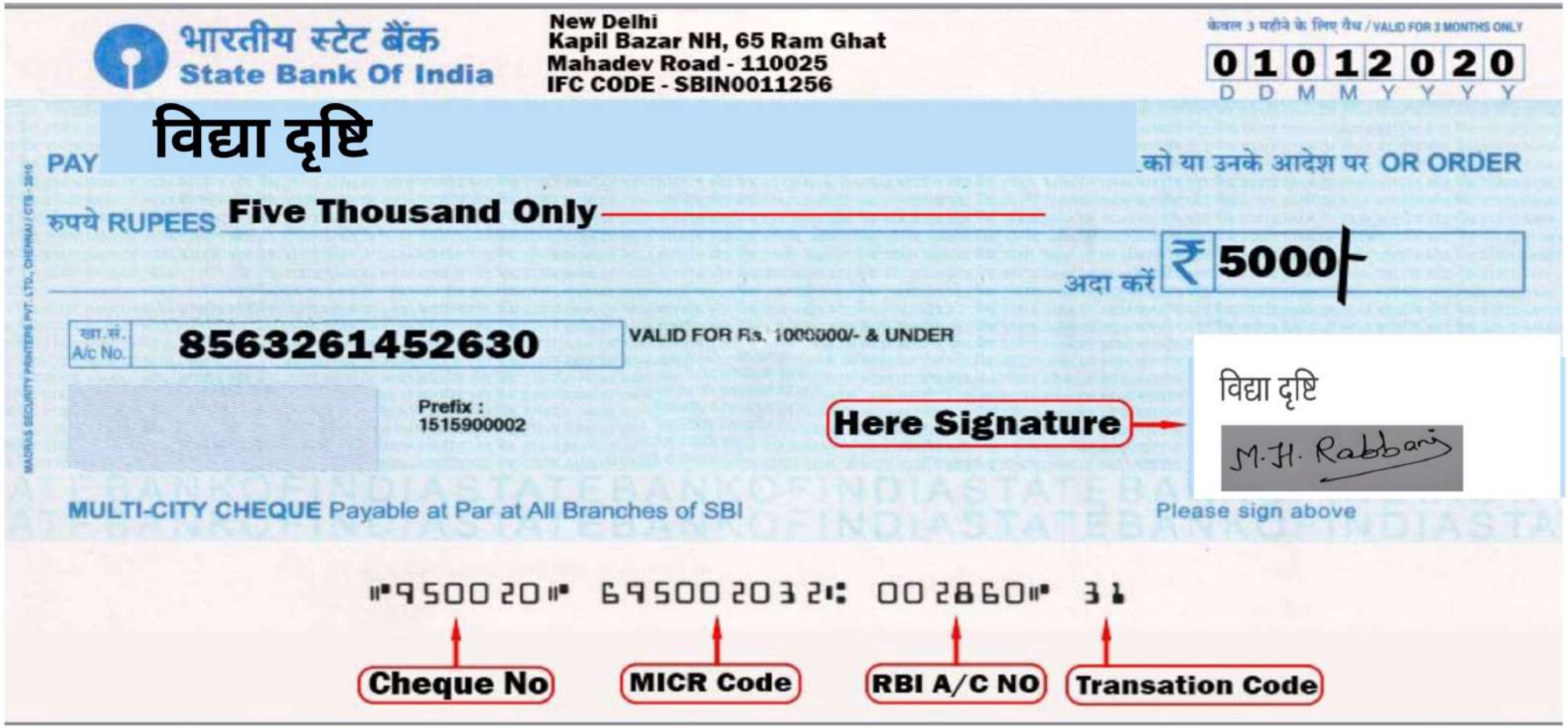
भारतीय स्टेट बैंक
State Bank Of India
New Delhi
Kapil Bazar NH, 65 Ram Ghat
Mahadev Road - 110025
IFC CODE - SBIN0011256
केवल 3 महीने के लिए वैध / VALID FOR 3 MONTHS ONLY
0 1 0 1 2 0 2 0
D D M M Y Y Y Y
विद्या दृष्टि
PAY
को या उनके आदेश पर OR ORDER
रुपये RUPEES Five Thousand Only
अदा करें ₹ 5000/-
खा.सं. A/c No. 8563261452630
VALID FOR Rs. 1000000/- & UNDER
Prefix : 1515900002
Here Signature
विद्या दृष्टि
M.H. Rabbani
MULTI-CITY CHEQUE Payable at Par at All Branches of SBI
Please sign above
⑈950020⑈ ⑆950020321⑆ 002860⑈ 31
Cheque No
MICR Code
RBI A/C NO
Transation Code

साख (credit) या ऋण /कर्ज (loan)

■ साख एक सहमति (agreement) है जहाँ कर्जदाता, कर्जदार (borrower) को धन, वस्तुएं या सेवाएं उपलब्ध कराता है और बदले में भविष्य में कर्जदार से भुगतान करने का वादा लेता है।

■ कर्जदारों से लिये गए ब्याज और जमाकर्ता को दिए गए ब्याज के बीच का अंतर बैंको की आय का प्रमुख स्त्रोत है।

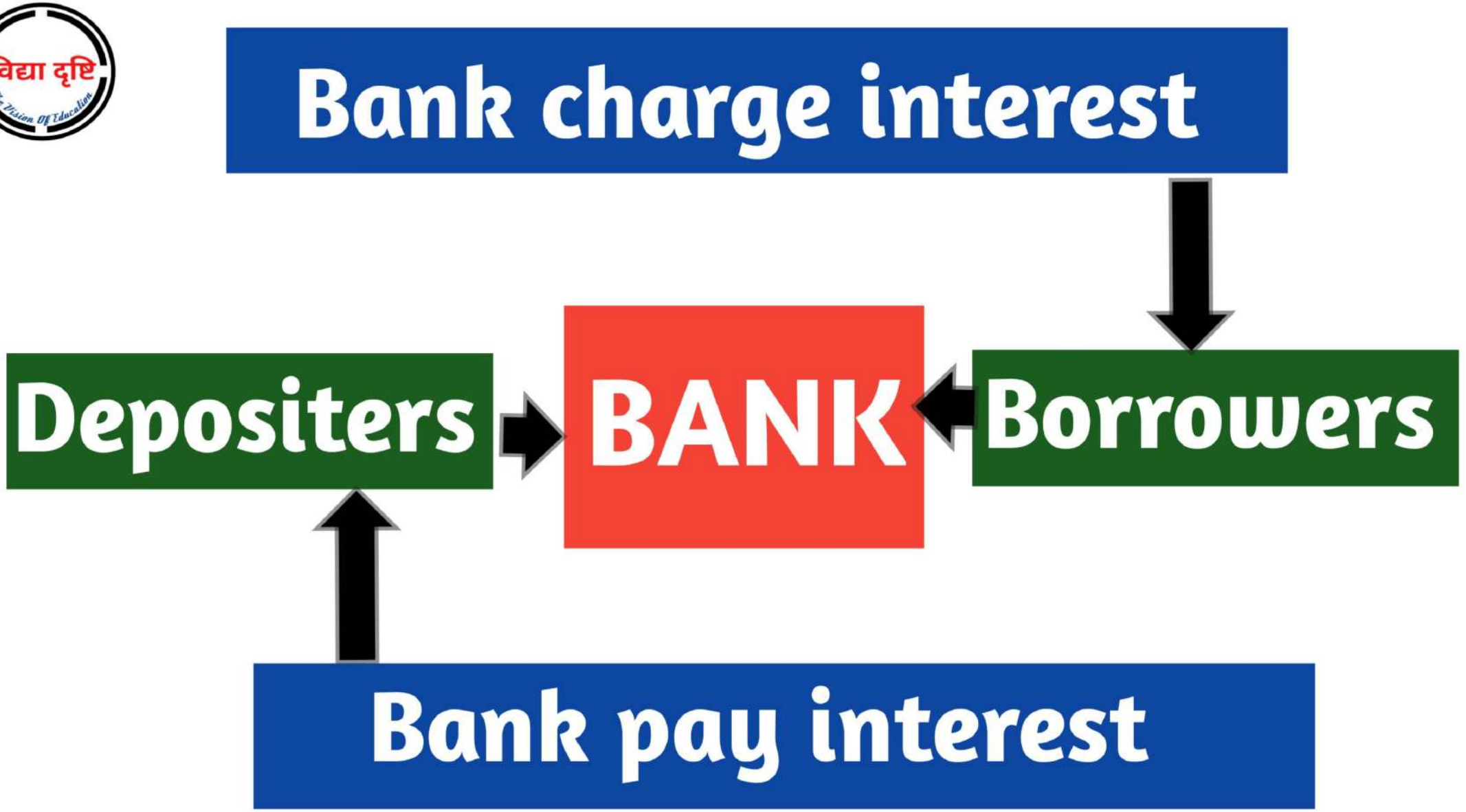
Bank charge interest
Depositers
BANK
Borrowers
Bank pay interest

साख / ऋण के लाभ

(Advantages of credit or loan)

- आवास निर्माण में लोगों की मदद
- व्यवसाय के विस्तार में मदद
- नए व्यवसाय शरू करने में मदद
- किसानों को कृषि से संबंधित खाद्य - बीज, उर्वरक, उपकरण इत्यादि खरीदने में मदद

साख / ऋण के नुकसान / कमीयाँ

(Disadvantages of credit or loan)

- उच्च ब्याज दर होने की स्थिति में लोग ऋण वापसी में यदि असमर्थ हो जाते हैं तो बैंक द्वारा उनकी सम्पति (भूमि, आवास) अधिगृहित (seized) कर लिया जाता है, लोग बेघर हो जाते हैं।

- ऋण के लिये समर्थक ऋणाधार संपति (जैसे कि भूमि, इमारत, गाड़ी, पशु, बैंक में पूंजी) कि आवश्यकता होती है। अथार्त सम्पत्ति नहीं तो ऋण भी नहीं मिलता है।

- गरीब लोगों को ऋण नहीं मिल पता है।

ऋण की शर्तें (Terms of credit)

- ब्याज दर
- समर्थक ऋणाधार (collateral)
- आवश्यक कागजात
- भुगतान के तरिके

उपरोक्त सभी को सम्मिलित रूप से ऋण की शर्त माना जाता है।

समर्थक ऋणाधार (Collateral)

- समर्थक ऋणाधार ऐसी संपत्ति के दस्तवेज को कहते हैं जिसका मालिक कर्जदार होता है और जिसको गिरवि रखने के एवज में बैंक ऋण देता है।

- कुर्जदार द्वारा पूर्ण ऋण चुकाने के बाद ही वह दस्तावेज बैंक वापस करती है,और ऋण न चुकाने की स्थिति में बैंक द्वारा उस संपत्ति की निलामी कर अपने नुकसान की भरपाई की जाती है।

समर्थक ऋणाधार (Collateral)

■ ग्रामीण लोग तथा गरीब लोग इन ऋचन की शर्तों को पूरा नहीं कर पाते जिसके कारण वे ऋण प्राप्त करने के लिए अन्य महंगे विकल्पों को चुनने के लिए मजबूर हो जाते हैं।

■ अतः सरकार को गरीबों एवं किसानों के लिए ऋण की शर्त को आसान बनाना चाहिए कि उन्हें भी ऋण प्राप्त हो सके।

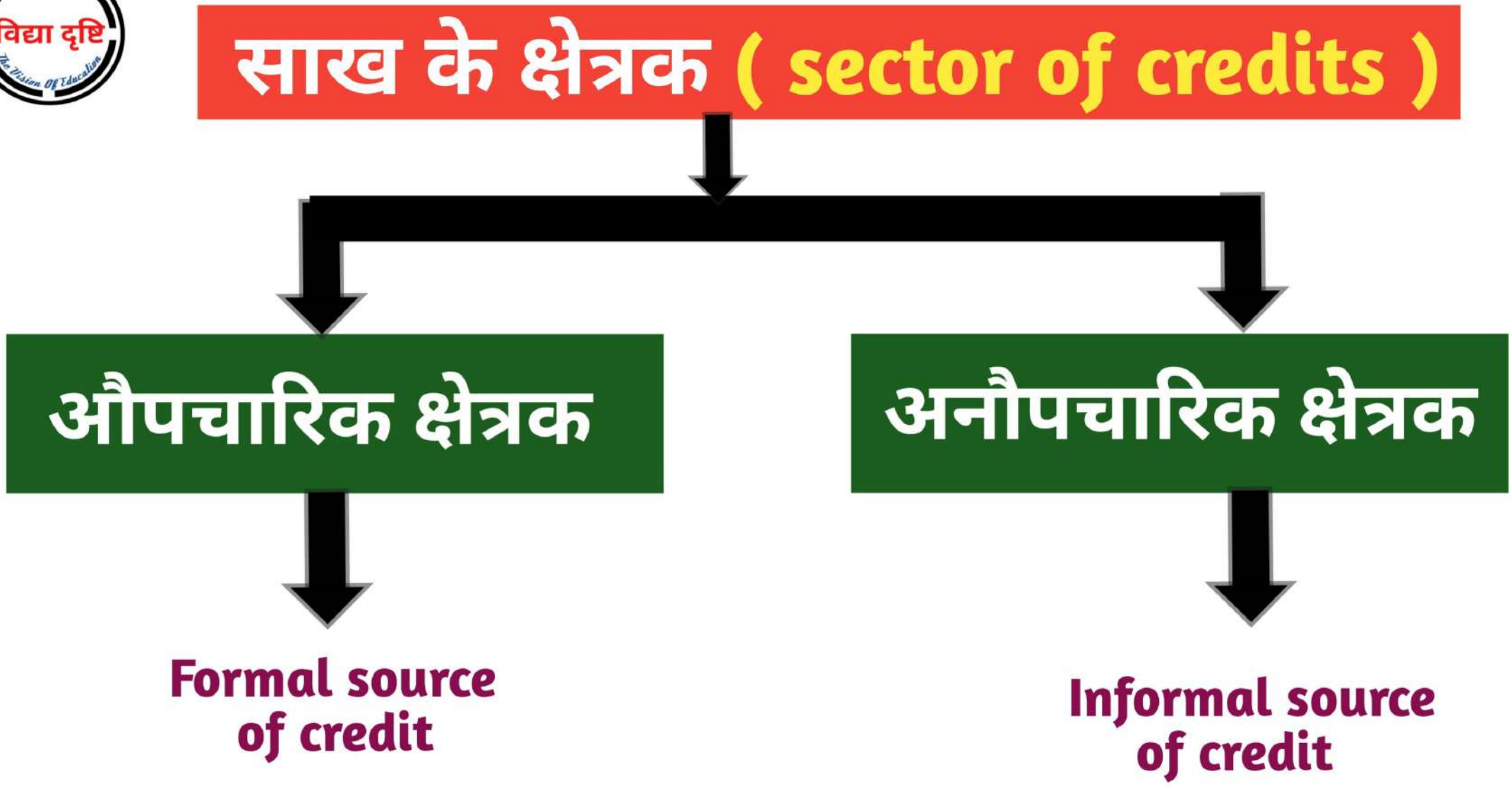

साख के क्षेत्रक (sector of credits)

औपचारिक क्षेत्रक

Formal source of credit

अनौपचारिक क्षेत्रक

Informal source of credit

विद्या दृष्टि
The Vision Of Education

औपचारिक क्षेत्रक

- सरकार द्वारा नियंत्रित
- ऊचित ब्याज दर
- कर्जदार का शोषण नहीं
- बैंक,सहकारी समितियाँ

अनौपचारिक क्षेत्रक

- सरकार का नियंत्रण नहीं
- ब्याज दर उच्च
- कर्जदार का शोषण
- साहूकार,दोस्त,रिश्तेदार

औपचारिक क्षेत्रक

औपचारिक क्षेत्रक पर RBI का नियंत्रण

- भारतीय रिज़र्व बैंक इन श्रोतों (बैंकों) की कार्यप्रणाली पर नजर रखता है
- RBI यह भी चेक करता है की बैंक नकद शेष (CRR) तथा ऋण देने के बीच संतुलन बनाये रख रहें हैं या नहीं l
- बैंक ऊचित ब्याज दर पर ऋण दे रहा है या नहीं

औपचारिक क्षेत्रक

- बैंक और सहकारी समितियाँ (cooperatives) औपचारिक क्षेत्रक के प्रमुख ऋणदाता हैं।

- वर्तमान में भारत में 50% से अधिक ऋण औपचारिक क्षेत्रक से लिये जाते हैं।

अनौपचारिक क्षेत्रक

- सरकार का नियंत्रण नहीं
- साहूकार, दोस्त, रिश्तेदार इत्यादि से ऋण
- 1990 से पहले ऋण प्राप्ति का भारत में मुख्य स्रोत यही था
- ब्याज दर काफ़ी उच्च होता है जिसके कारण कर्जदार ऋण जाल में फंस जाता है
- गरीब लोगों का प्रतिशत इस क्षेत्रक से ऋण प्राप्त करने वालों में अधिक होता है

practice Question

प्रश्न :- उच्च ब्याज दर होने के बावजूद भी लोग औपचारिक क्षेत्रक की तुलना में अनौपचारिक क्षेत्रक से ऋण क्यों लेते हैं ?

उत्तर :-

- यह आपसी विश्वास (mutual trust) पर आधारित होता है
- किसी समर्थक ऋणाधार की जरूरत नहीं पाती।
- गरीबों को भी ऋण मिल जाता है।

cont.....

practice Question

प्रश्न :- उच्च ब्याज दर होने के बावजूद भी लोग औपचारिक क्षेत्रक की तुलना में अनौपचारिक क्षेत्रक से ऋण क्यों लेते हैं ?

निष्कर्ष :-

■ परंतु अनौपचारिक क्षेत्रक में ब्याज दर काफी अधिक होता है जिसके कारण यदि गरीब लोग या किसान समय पर कर्ज कपसी नहीं कर पाऐ तो साहुकार और महाजन भिन्न-भिन प्रकार से शोषण करते हैं।

■ अतः औपचारिक क्षेत्रक यानि की बैंक और सहकारी समितियों का यह कर्तव्य बनता है कि वे भारत ग्रामीण लोगों, गरीबों एवं किसानों को आसान शर्तो पर ऋण उपलब्ध कराएं ताकि अनापचारिक क्षेत्रक पर इनकी निर्भरता कम हो ।

अनौपचारिक क्षेत्रकों पर निर्भरता के कारण

- सभी जगह बैंक उपलब्ध नहीं।
- बैंक से ऋण प्राप्त करने की प्रक्रिया जटिल।
- ये बिना समर्थक ऋणाधार के ऋण उपलब्ध कराते हैं।
- इन क्षेत्रकों से ऋण प्राप्त करने के लिये किसी दस्तावेज की जरूरत नहीं।

स्वयं सहायता समूह

(Self help group - SHG)

- ऋणाधार की अनुपलब्धता का विकल्प
- एक ही गावं के समान्यतः 15 से 20 लोग सदस्य होते हैं।
- इस्का मुख्य उद्देश्य गरीब लोगों की बचत को एकत्रित कर उनकी ही मदद करना।
- प्रति व्यक्ति बचत 25 ₹ से 100 ₹ या इससे अधिक भी हो सकती है।

cont.....

स्वयं सहायता समूह

(Self help group - SHG)

- SHG अपने सदस्यों को ऊचित ब्याज दर पर ऋण देता है l

- एक वर्ष से अधिक समय से यदि SHG नियमित बचत करता आ रहा हो तब बैंक बिना समर्थक ऋणाधार के SHG को ऋण प्रदान करता है l यह ऋण समूह के नाम पर होता है l

ऋण की शर्त और ब्याज दर

सम्पन्न किसान < मध्यम किसान < छोटा किसान < भूमिहिन किसान

और अधिक मुश्किल.....

स्वयं सहयता समूह का उद्देश्य

गरीबों के लिये स्वयं सहायता समूह संगठनों के पीछे मूल विचार निम्नलिखित हैं :-

- गरीबों को संगठित रूप में कार्य के लिये प्रेरित करना।
- स्वरोजगार के लिये प्रेरित करना
- कर्जदारों को ऋण -जल से बचाना
- स्वावलंबन (self reliance) व रोजगार

बांग्लादेश का ग्रामीण बैंक

- बांग्लादेश ग्रामीण बैंक का उचित ब्याज दरों पर गरीबों की ऋण जरूरतों को पूरा करने का बड़ा सफल इतिहास रहा है।

- इसकी शुरुआत 1970 में एक छोटे पैमाने से हुई।

- वर्ष अक्टूबर 2014 में ग्रामीण बैंक के अब 8.63 लाख सदस्य हैं जो बांग्लादेश के 81,390 गाँवों में फैले हुए हैं।

बांग्लादेश का ग्रामीण बैंक

- इससे ऋण लेने वाली ज़्यादातर महिलाएँ हैं जिनका संबंध समाज के गरीब तबके से है।

- इन कर्जदारों ने दिखा दिया है कि न केवल गरीब महिलाएँ भरोसेमंद कर्ज़दार हैं, बल्कि वे विभिन्न तरह की छोटी आय वाली गतिविधियों को सफलतापूर्वक शुरू करने और चला सकने में सक्षम हैं।

रिज़र्व बैंक ऑफ इंडिया(RBI) के कार्य

- सरकार की ओर से मुद्रा जारी करता है।
- बैंको व समितियों की कार्य प्रणाली पर नज़र रखता है।
- ब्याज की दरों व ऋण की शर्तों पर निगरानी रखता है।
- बैंक कितना नकद शेष अपने पास रखे हुए हैं इसकी सूचना रखता है।
- ऋण किस प्रकार वितरित किये जा रहे हैं इस पर नज़र रखता है।

अर्थव्यस्था में बैंकों की भूमिका

बैंक देश की अर्थव्यवस्था में अनेक प्रकार से महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं :-

(1) बैंक लोगों के खून-पसीने की कमाई को अपने पास जमा करके उसे सुरक्षित रखते हैं।

(ii) बैंक केवल जमाकर्ता के धन को सुरक्षित ही नहीं रखते बल्कि वे उस पर उसे उचित ब्याज भी देते हैं। बहुत से परिवार बैंक के इस व्याज पर ही निर्भर करते हैं।

(iii) बैंक जिनके पास अतिरिक्त धन है और जिन्हें धन की आवश्यकता है इन दोनों के बीच मध्यस्थता का काम करते हैं। cont....

अर्थव्यस्था में बैंकों की भूमिका

(iv) बैंक किसानों को कर्ज देकर देश की पैदावार को बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस धन से किसान अपनी सिंचाई की सुविधाओं आदि को बढ़ाकर जहाँ पहले वर्ष भर में एक बार खेती होती
थी, वहाँ दो और तीन बार भी खेती कर सकते हैं।

(v) बैंक उद्योग के विकास में भी बढ़ा सहायक सिद्ध होते हैं। लघु उद्योगों में लगे लोग बैंकों से सस्ते दामों पर कर्ज लेकर अपने पुराने उद्योगों को उन्नत कर सकते हैं और कई नए उद्योग भी लगा सकते हैं।

cont....

अर्थव्यस्था में बैंकों की भूमिका

(vi) बैंक से कर्ज लेकर बहुत से व्यापारी अपनी व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ा सकते हैं और पहले से कहीं अधिक वस्तुओं का व्यापार कर सकते हैं।

(vii) बैंक एक बड़ी संख्या में लोगों को नौकरी उपलब्ध कराकर बेरोजगारी की समस्या को हल करने में भी योगदान देते है।

NCERT अभ्यास प्रश्न

प्रश्न (1) जोखिम वाली परिस्थितियों में ऋण कर्जदार के लिये और समस्याएं ख़डी कर सकता है। स्पष्ट किजिए।

Hint :-

- कृषि एक जोखिम भरा काम
- किसी करण फ़सल बर्बाद
- ऋण चुकाना मुश्किल
- ऋण जल

NCERT अभ्यास प्रश्न

प्रश्न (2) मुद्रा आवश्यकताओं के दोहरे संयोग की समस्या को किस तरह सुलझाती है ? अपनी ओर से उदाहरण देकर समझाइये ।

Hint :- (टॉपिक :-वस्तु विनिमय प्रणाली की कमियां)

प्रश्न (3) अतिरिक्त मुद्रा वाले लोगों और जरूरतमंड लोगों के बीच किस तरह मध्यस्थता करते हैं ?

Hint :-

NCERT अभ्यास प्रश्न

cont...

प्रश्न (4) 10 ₹ के नोट को देखिये l इसके ऊपर क्या लिखा है ? क्या आप इस कथन की व्यख्या कर सकते हैं?

केंद्रीय सरकार द्वारा प्रत्याभुत मै धारक को 10 ₹ अदा करने का वचन देता हूं

गवर्नर हस्ताक्षर

NCERT अभ्यास प्रश्न

कथन की व्यख्या

- इस कथन का यह तात्पर्य है कि केन्द्रीय सरकार ने रिज़र्व बैंक को यह अधिकार दिया है कि वह उसकी ओर से 10 रुपये के नोट छापे और रिज़र्व बैंक का गवर्नर इस नोट को रखने वाले को यह वचन देता है कि वह 10 रुपये उसे अदा करेगा।
- केन्द्रीय सरकार के इस अधिकार के बिना 10 रुपये का नोट केवल एक कागज का टुकड़ा बनकर रह जायेगा।
- केन्द्रीय सरकार का यह अधिकार और अनुमति ही इस नोट को अधिकृत करेंसी का रूप प्रदान करती है।

NCERT अभ्यास प्रश्न

प्रश्न (5) हमें भारत में ऋण के औपचारिक स्त्रोतों को बढ़ाने की क्यों जरूरत है?

Hint :- 🛑 **ऋण के अनौपचारिक क्षेत्रक की के कमीयाँ**

प्रश्न (6) गरीबों के लिये स्वयं सहायता समूहों के संगठनों के पीछे मूल विचार क्या है ?

Hint:- 🛑 **sHG ka उद्देश्य**

NCERT अभ्यास प्रश्न

प्रश्न (7) क्या करण है कि बैंक कुछ कर्जेदारों को कर्ज देने के लिये तैयार नहीं होते ?

Hint :- समर्थक ऋणाधार का आभाव

प्रश्न (8) भारतीय रिज़र्व बैंक अन्य बैंकों कि गतिविधियों पर किस तरह नजर रेखता है? यह जरूरी क्यों है?

Hint :-

(i) हर बैंक अपने पास जमा पूँजी की एक न्यूनतम राशि रखता है। रिज़र्व बैंक इस बात का ध्यान रखता है कि प्रत्येक बैंक ने वह न्यूनतम राशि (Minimum Cash Balance) अपने पास रखती है या नहीं।

NCERT अभ्यास प्रश्न

(ii) रिजर्व बैंक इस बात पर भी नज़र रखता है कि बैंक केवल लाभ कमाने वाली इकाइयों और व्यापारियों को हो तो नहीं ऋण दे रहे हैं, बल्कि वे छोटे किसानों, छोटे उद्योग चलाने वालों और छोटे ऋण प्राप्त करने वालों को भी ऋण दें ताकि जन साधारण का कल्याण हो सके।

(iii) रिजर्व बैंक विभिन्न बैंकों से यह भी निरन्तर जानकारी प्राप्त करता रहता है कि वे किन-किन को कर्ज दे रहे हैं और यह कि दर से किसी से अन्याय न हो सके और कोई उगा न जाए।

NCERT अभ्यास प्रश्न

प्रश्न (9) विकास में ऋण की भूमिका का विश्लेषण किजिए।

Hint :- अर्थव्यस्था में बैंक की भूमिका

प्रश्न (10) मानव को एक छोटा व्यवसाय करने के लिये ऋण की जरूरत है। मानव किस आधार पर यह निश्चित करेगा कि उसे यह ऋण बैंक से लेना चाहिए या साहूकार से ? चर्चा किजिए

Hint:- ऋण की शर्तोन के आधार पर

NCERT अभ्यास प्रश्न

प्रश्न (11)भारत में 80 प्रतिशत किसान छोटे किसान है, जिन्हें खेती करने के लिए ऋण की जरूरत होती है l

(क) बैंक छोटे किसानों को ऋण देने से क्यों हिचकिचा सकते है?
(ख) वे दूसरे स्रोत कौन हैं, जिनसे छोटे किसान कर्ज से सकते हैं।
(ग) उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए कि किसकी शर्त छोटे किसानों के प्रतिकूल हो सकती है।
(घ) दीजिए कि किस तरह छोटे किसानों को सस्ता ऋण उपलब्ध कराया जा सकता है।

NCERT अभ्यास प्रश्न

Cont.....

प्रश्न (12) रिक्त स्थानों की पूर्ति कर

(क).....परिवारों की ऋण की अधिकांश जरूरत अनौपचारिक स्रोतों से पूरी होती है। **(किसान)**

(ख)..... ऋण की लागत ऋण का बोझ बढ़ाती है। **(उची दर पर लिये गए)**

(ग)..... केन्द्रीय सरकार की ओर से करेंसी नोट जारी करता है। **(भारतीय रिज़र्व बैंक)**

NCERT अभ्यास प्रश्न

(घ) बैंक.....पर देने वाले ब्याज से ऋण पर अधिक ब्याज लेते हैं। **(जमा रकम)**

(ङ)..... सम्पत्ति है जिसका मालिक कर्जदार होता है जिसे वह ऋण लेने के लिए गारंटी के रूप में इस्तेमाल करता है, जय तक ऋण चुकता नहीं हो जाता। **(जमीन)**

NCERT अभ्यास प्रश्न

प्रश्न (13) सही उत्तर का चयन करें

(क) स्वयं सहायता समूह में बचत और ऋण संबंधित अधिकतर निर्णय लिए जाते हैं।

- बैंक द्वारा
- सदस्यों द्वारा
- गैर सरकारी संस्था द्वारा

NCERT अभ्यास प्रश्न

प्रश्न (13) सही उत्तर का चयन करें

(ख) ऋण के औपचारिक स्रोतों में शामिल नहीं है-

- **बैंक**
- **सहकारी समिति**
- **नियोक्ता**

practice Questions

आलेख 1 — वर्ष 2012 में भारत में 1000 ग्रामीण परिवारों के साख के स्रोत

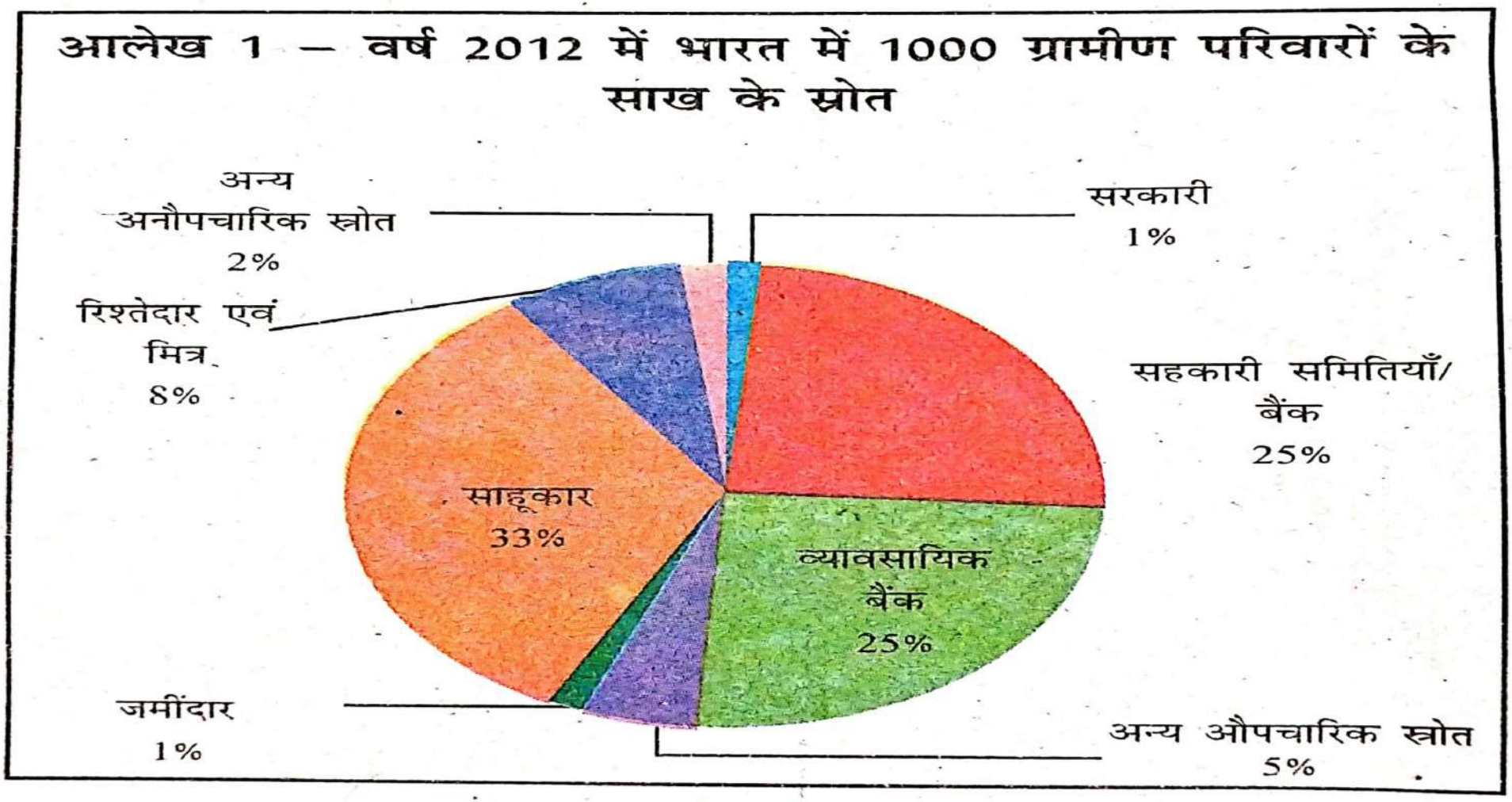

practice Questions

- भारत में औपचारिक क्षेत्रक का साख % कितना है
- सबसे अधिक साख कौन उपलब्ध करा रहा है?
- लोग अनापचारिक क्षेत्रक से ऋण क्यों लेते हैं?

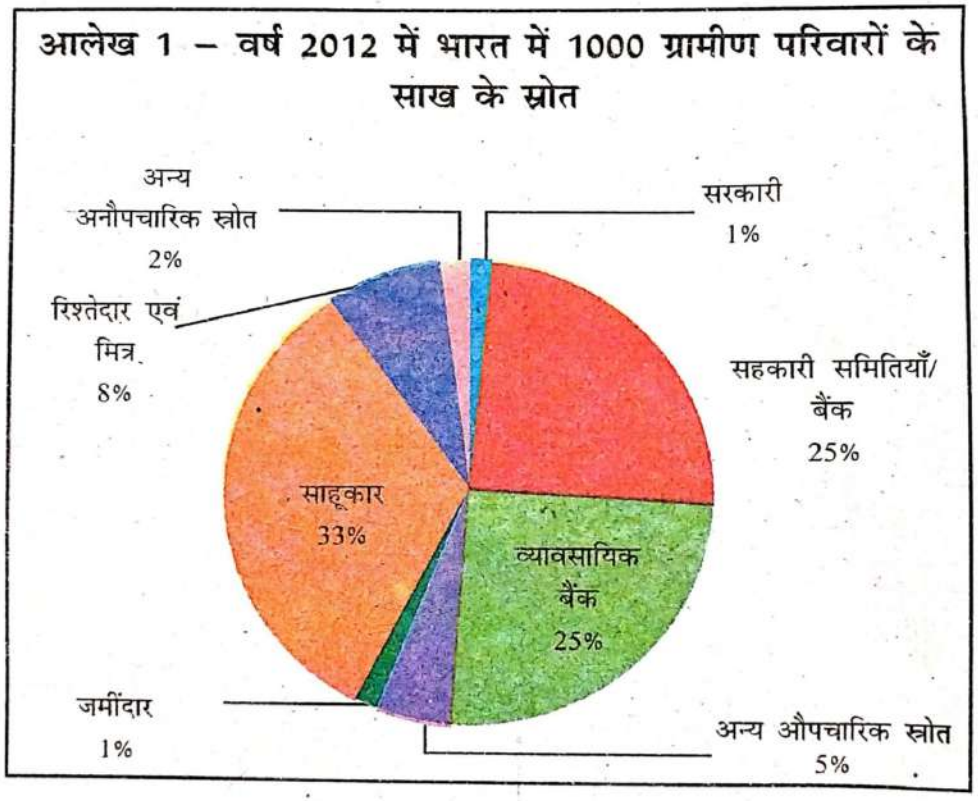

practice Questions

आलेख 2 – शहरी परिवारों द्वारा लिए गए कुल ऋण का कितना प्रतिशत औपचारिक तथा कितना प्रतिशत अनौपचारिक था?

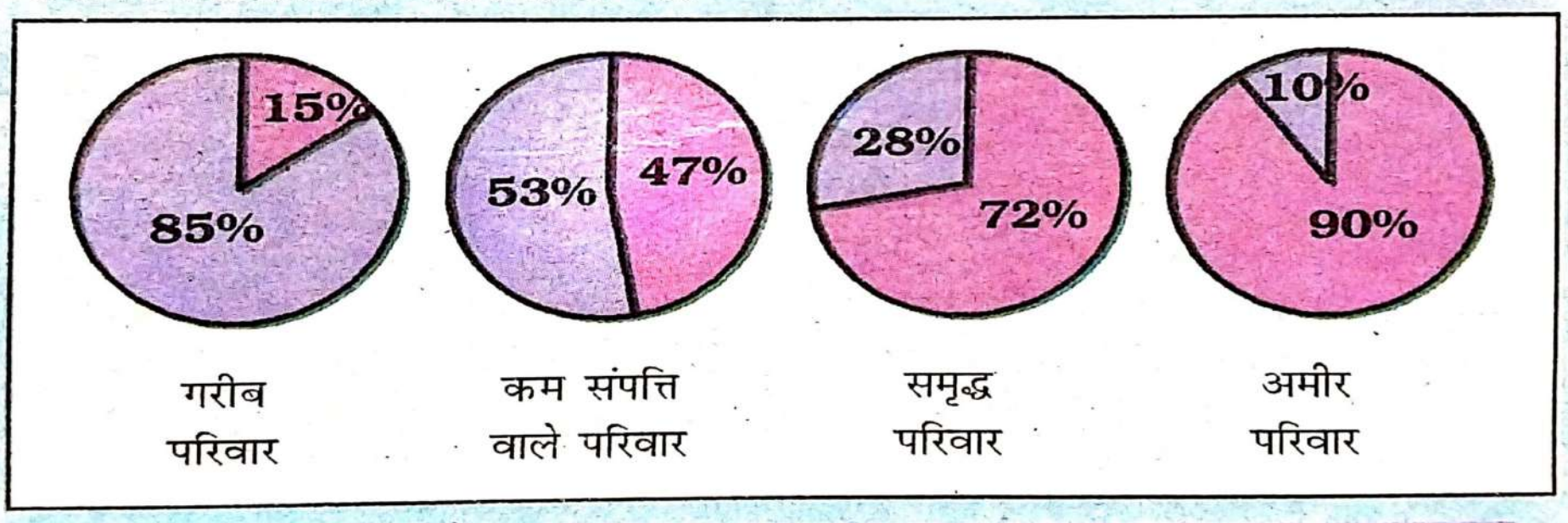

नीला: अनौपचारिक स्रोत में ऋण की प्रतिशत

बैंगनी: औपचारिक स्रोत में ऋण का प्रतिशत

practice Questions

- गरीब परिवार ज्यादातर किस क्षेत्रक से ऋण प्राप्त करते हैं?

- अमीर परिवार किस क्षेत्र से ज्यादा ऋण प्राप्त करते है ?

- व्याज दर उच्च होने के बावजूद भी गरीब परिवार अनौपचारिक क्षेत्र से ऋण क्यों लेते हैं?

आलेख 2 – शहरी परिवारों द्वारा लिए गए कुल ऋण का कितना प्रतिशत औपचारिक तथा कितना प्रतिशत अनौपचारिक था?

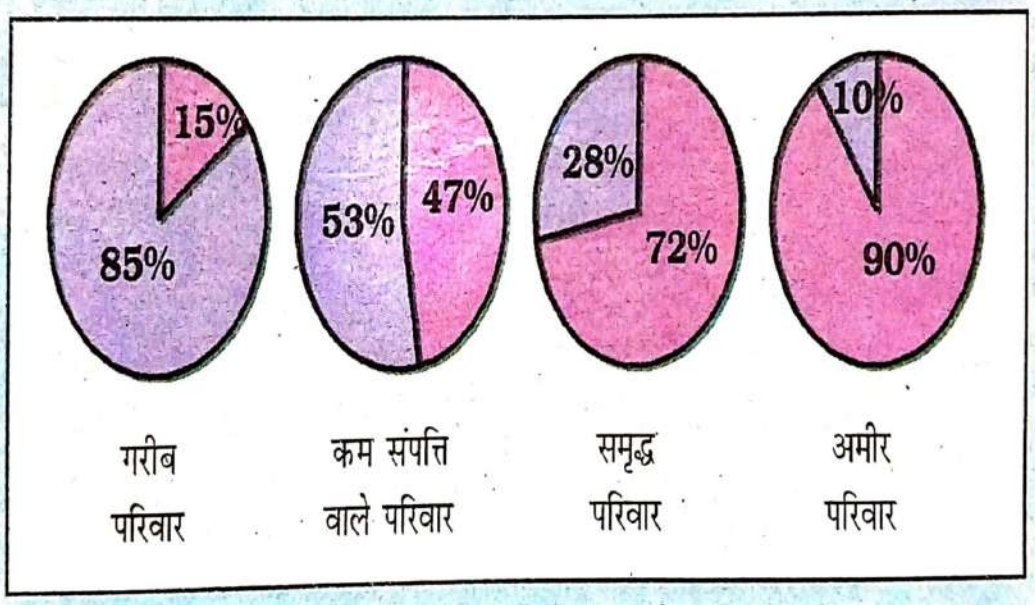

नीला: अनौपचारिक स्रोत में ऋण की प्रतिशत

बैंगनी: औपचारिक स्रोत में ऋण का प्रतिशत

practice Questions

प्रश्न (A) भारत में केंद्र सरकार की ओर से कौन करेंसी नोट जारी करता है ?

1. नावार्ड

2. भारतीय रिजर्व बैंक

3. विश्व बैंक

4. भारतीय स्टेट बैंक

practice Questions

प्रश्न (B) जमा का बड़ा हिस्सा बैंक किस पर इस्तेमाल करते हैं?

1. नयी शाखाएँ खोलने के लिए

2. कर का भुगतान करने के लिए

3. ऋण पर ब्याज का भुगतान करने के लिए

4. ऋण देने के लिए

practice Questions

प्रश्न (C) साख के औपचारकि स्त्रोत में शामिल नहीं है:

1. बैंक

2. सहकारी बैंक

3. नियोक्ता

4. इनमें से कोई नहीं।

practice Questions

प्रश्न (D) ऋण जाल से आप क्या समझते है ?

1. ऋण चुकाने में असमर्थता

2 ऋण चुकाने में समर्थता

3. दोनों सही हैं।

4. दोनों गलत हैं।

practice Questions

प्रश्न (E) निम्नलिखित में से कौन सा समर्थक ऋणाधार का उदाहरण नहीं है।

1. जेवर

2. घर

3. कृषि भूमि

4. इनमें से कोई नहीं।

practice Questions

प्रश्न (F) स्वयं सहायता समूह में बचत और ऋण संबंधित अधिकतर निर्णय लिए जाते हैं ?

1. बैंक द्वारा

2. सरकार द्वारा

3. सदस्यों द्वारा

4. गैर सरकारी संस्था द्वारा

practice Questions

प्रश्न (g) बैंक अपने पास कितना नकद कोष रखते हैं?

1. 10 प्रतिशत

2. 20 प्रतिशत

3. 15 प्रतिशत

4. 30 प्रतिशत

practice Questions

प्रश्न (h) अंतराष्ट्रीय स्तर पर विनिमय के लिये कौन सी मुद्रा का प्रयोग होता

1 अमेरिकी डॉलर

2 सिंगापूरी डॉलर

3 रुपया

4 टका

practice Questions

प्रश्न (i) बंगलादेश में ग्रामीण बैंक की स्थापना का श्रेय किसे जाता है ?

1 अभिजीत बनर्जी

2 डॉ मनमोहन सिंह

3 मोहम्मद यूनुस

4 अमर्तय सेन

practice Questions

प्रश्न (j) मुद्रा के आधुनिक रूप में कौन शामिल है?

1 कागज के नोट

2 सोने के सिक्के

3 चांदी के सिक्के

4 तांबे के सिक्के

विद्या दृष्टि
The Vision Of Education

"अगर गरीब लोगों को सही और उचित शर्तों पर ऋण उपलब्ध कराया जा सकता है, तो लाखों छोटे लोग अपनी लाखों छोटी-छोटी गतिविधियों के ज़रिए विकास का सबसे बड़ा चमत्कार कर सकते हैं।"

प्रो. मोहम्मद युनूस।
ग्रामीण बैंक के संस्थापक एवं 2006 में शांति के लिए
नोबेल पुस्स्कार से सम्मानित।